पुणेकर

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्नपत्र)

✻ यूनिट वाईस/टॉपिक वाईस एवं इयर वाईस पेपर्स

सॉल्वड पेपर्स

2013-2023

✍ रवि राजकुमार सिंह चौहान

आपकी सफलता का सहयोगी . . .

पुणेकर पब्लिकेशन्स

खजूरी बाजार–इन्दौर

© **सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन**

- इस पुस्तक मे दिये गये किसी भी भाग के लिये प्रकाशक /विक्रेता/मुद्रक/लेखक इस बात को कतई सुनिश्चित नही करता है कि इस पुस्तक के दी गई जानकारी अंतिम रुप से पूर्ण है। पाठको को यदि इस पुस्तक के किसी भी अंश या प्रश्न पर कोई संशय है तो वह अपन स्त्रोत के आधार पर उसका आकलन करे एवं यदि इस पुस्तक मे कोई विसंगति पाता है निम्न पते पर इस विसंगति को बताये जिससे कि आगामी संस्करण मे इस पुस्तक मे सुधार किया जा सके।इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई हैं फिर भी किसी त्रुटि के लिए , परीक्षार्थी को होने वाले किसी भी संताप या नुकसान के लिये प्रकाशक/विक्रेता/ लेखक जिम्मेदार नहीं होगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी अंश का प्रतिलिपिकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानांतरण, किसी भी रूप में या किसी या विधि से, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो प्रतिलिपि, रिकार्डिंग प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

- इस पुस्तक का प्रकाशन प्रतियोगी परीक्षाओ मे तैयारी की दृष्टि से किया गया है। इस पुस्तक के लेखक/ प्रकाशक/विक्रेता का किसी भी समुदाय/व्यक्ति/संस्था/धर्म को किसी भी प्रकार से ठेस नही पहुँचाने का उद्देश्य नही है फिर भी यदि कही कोई त्रुटि हुई हो तो क्षमा करे।
- इस पुस्तक मे छपी सामग्री लेखको द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को जिम्मेदार नही ठहराया जाएगा।
- किसी भी विवाद के लिए न्यायक्षेत्र इन्दौर होगा।

- संस्करण प्रथम-2024
- **अधिकृत विक्रेता :**
  पुणेकर काम्पीटिशन बुक हाउस,
  208 म.गाँ.खजूरी बाजार,इन्दौर

- **प्रकाशक : पुणेकर पब्लिकेशन्स, इन्दौर**
  ज़ी–7 राजगुरु काम्पलेक्स खजूरी बाजार इन्दौर

- **www.punekarpublications.in**
- **punekerpublication@gmail.com**

विषय-तालिका (INDEX)

इकाई सं.	विषय-वस्तु	पृष्ठ क्रं.
इकाई-1	भारत का इतिहास	6 - 24
इकाई-2	मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य	25 - 36
इकाई-3	भारत का भूगोल	37 - 56
इकाई-4	मध्यप्रदेश का भूगोल	57 - 70
इकाई-5	भारत एवं मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था	71 - 101
इकाई-6	भारत एवं मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था	102 - 114
इकाई-7	विज्ञान, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य	115 - 131
इकाई-8	अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की समसामयिक घटनाएं	132 - 152
इकाई-9	सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी	153 - 168
इकाई-10	मध्यप्रदेश की जनजातियां-विरासत, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य	169 - 174

पुणेकर TM

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा प्रथम प्रश्न पत्र : सामान्य अध्ययन

पाठ्यक्रम

1. भारत का इतिहास

- संकल्पना एवं विचार- प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, भारतवर्ष, वेद, उपनिषद, आरण्यक, ब्राह्मण ग्रंथ, षड्दर्शन, स्मृतियां, ऋत सभा समिति, गणतंत्र, वर्णाश्रम, पुरुषार्थ, ऋण संस्कार, पंचमहायज्ञ / यज्ञ, कर्म का सिद्धांत, बोधिसत्व, तीर्थकर।
- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ, घटनाएँ एवं उनकी प्रशासनिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्थाएँ।
- भारत की सांस्कृतिक विरासत- कला प्रारूप, साहित्य, पर्व एवं उत्सव। 19वीं एवं 20वीं शताब्दी में सामाजिक तथा धार्मिक सुधार आंदोलन।
- स्वतंत्रता संघर्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।
- स्वतंत्रता के पश्चात् भारत का एकीकरण एवं पुनर्गठन।

2. मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य

- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख कला एवं स्थापत्य कला।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं उनकी बोलियाँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख त्योहार, लोक संगीत, लोक कलाएँ एवं लोक-साहित्य।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश में विश्व धरोहर स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व।

3. भारत का भूगोल

- पर्वत, पहाड़ियां, पठार, नदियाँ और झीलें।
- जलवायु घटनाएँ- अल-नीनो, ला-नीना, दक्षिणी दोलन, पश्चिमी विक्षोभ, जलवायु परिवर्तन के परिणाम।
- प्राकृतिक संसाधन- वन, खनिज, जल संसाधन।
- प्रमुख फसलें, खाद्य सुरक्षा, हरित क्रांति, दूसरी हरित क्रांति की रणनीतियाँ।
- ऊर्जा के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक स्रोत।
- भारत में प्राकृतिक खतरे और आपदाएँ, भारत में प्रमुख चक्रवात।
- जनसंख्या वृद्धि, वितरण एवं घनत्व, ग्रामीण-नगरीय प्रवास।

4. मध्यप्रदेश का भूगोल

- वन, वनोपज, नदियाँ, पहाड़ियाँ और पठार।
- जलवायु - ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
- प्राकृतिक संसाधन - मिट्टियाँ, प्रमुख खनिज संसाधन।
- प्रमुख फसलें, जल संसाधन, सिंचाई और सिंचाई परियोजनाएँ।
- ऊर्जा के पारंपरिक और गैर-पारंपरिक स्रोत।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- जनसंख्या वृद्धि, वितरण एवं घनत्व, नगरीकरण।

5. भारत एवं मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था

- संविधान सभा।
- संघीय कार्यपालिका, राष्ट्रपति एवं संसद।
- सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक व्यवस्था।
- संवैधानिक संशोधन।
- नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य एवं राज्य के नीति-निदेशक सिद्धांत।

- राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक संवैधानिक / सांविधिक आयोग एवं संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा, उच्च न्यायालय)।
- मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज एवं नगरीय प्रशासन व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश में सुशासन (अभिशासन व्यवस्था)।

6. भारत एवं मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था

- भारतीय अर्थव्यवस्था में मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति।
- मध्यप्रदेश की जनसंख्या व मानवीय संसाधनों का विकास- शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल !
- सतत् विकास लक्ष्यों में मध्यप्रदेश की प्रगति।
- मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, एम.एस.एम.ई. एवं अधोसंरचना का विकास।
- आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.)।
- मध्यप्रदेश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) की प्रगति।
- भारतीय अर्थव्यवस्था की नवीन प्रवृत्तियाँ- कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र।
- वित्तीय संस्थाएँ- रिजर्व बैंक, वाणिज्यिक बैंक, सेबी, गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएँ।
- भारत की विदेशी व्यापार की नीतियाँ एवं जी-20, सार्क तथा एशियान।

7. विज्ञान, पर्यावरण एवं स्वास्थ्य

- विज्ञान की प्रमुख शाखाओं का प्रारंभिक ज्ञान।
- भारत के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थान एवं उनकी उपलब्धियाँ।
- उपग्रह एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियाँ।
- मानव शरीर संरचना।
- पोषण, आहार, पोषक तत्व एवं कुपोषण।
- अनुवांशिक रोग, सिकल सेल एनीमिया- कारण, प्रभाव, निदान एवं कार्यक्रम।
- स्वास्थ्य नीति एवं कार्यक्रम, संक्रामक रोग, उनकी रोकथाम एवं स्वास्थ्य सूचक।
- सतत् विकास की अवधारणा एवं एस.डी.जी.।
- पर्यावरणीय कारक, पारिस्थितिकीय तंत्र एवं जैव-विविधता।
- प्रदूषण, प्राकृतिक आपदाएँ एवं प्रबंधन।

8. अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं मध्यप्रदेश की समसामयिक घटनाएँ

- अंतर्राष्ट्रीय समसामायिक घटनाएँ।
- राष्ट्रीय समसामायिक घटनाएँ।
- मध्यप्रदेश की समसामायिक घटनाएँ।

9. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी

- कंप्यूटर का आधारभूत ज्ञान।
- इलेक्ट्रॉनिकी, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।
- रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स एवं सायबर सिक्यूरिटी।
- ई-गवर्नेस।
- इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्मस्।

10. मध्यप्रदेश की जनजातियाँ- विरासत, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य

- मध्यप्रदेश में जनजातियों का भौगोलिक विस्तार, जनजातियों से संबंधित संवैधानिक प्रावधान।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ, विशेष पिछड़ी जनजातियाँ एवं घुमन्तू जातियाँ, जनजातियों के कल्याण के लिए योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश की जनजातीय संस्कृति- परम्पराएँ, विशिष्ट कलाएँ, त्यौहार, उत्सव, भाषा, बोली एवं साहित्य। मध्यप्रदेश की जनजातियों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान एवं राज्य के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व। मध्यप्रदेश में जनजातियों से संबंधित प्रमुख संस्थान, संग्रहालय, प्रकाशन।
- मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य।

■■■

लेखक की कलम से .....

MPPSC एक्जामिनेशन देश की प्रमुख सिविल सर्विसेज एक्जामिनेशन्स में से एक है। **MPPSC** ने राज्य सेवा प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षा हेतु पुनरीक्षित परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम को वर्ष 2024 से प्रभावशील किया है। कुशल प्रशासकों के चयन हेतु ये नवीन परिवर्तन समीचीन है, किन्तु एक अभ्यर्थी के लिए अब राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गयी है। एक अभ्यर्थी का मनोमस्तिष्क भटकाव का शिकार हो रहा है एवं उसे सफलता के सही मार्ग के लिए सटीक रोडमेप की आवश्यकता हो गयी है। यदि आप गहराईपूर्वक पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे तो आप भी नोटिस करेंगे कि पूर्व के पाठ्यक्रम के साथ जहाँ कुछ नवीन टॉपिक्स को जोड़ा गया है व कुछ अनुपयोगी टॉपिक्स को हटाकर इसे पहले से अधिक व्यवस्थित किया गया है।

किसी भी कॉम्पीटीटिव एक्जामिनेशन में सफलता प्राप्ति हेतु तीन बातें महत्वपूर्ण होती है - पाठ्यक्रम का उचित ज्ञान, सतत् अध्ययन व रिवीजन एवं विगत वर्षों की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों का व्यवस्थित अध्ययन एवं सटीक व्याख्या। प्रायः अभ्यर्थी पाठ्यक्रम को कण्ठस्थ कर लेते है और निरन्तर अध्ययन भी करते है, किन्तु विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों में पूछे गए प्रश्नों की प्रकृति व पैटर्न को अनदेखा कर देते हैं जिससे उनका अध्ययन दिशाहीन हो जाता है। ध्यातव्य है कि ओल्ड क्वेश्चन पेपर्स से ही हमें ज्ञात होता है कि पेपर सेटर का माइण्डसेट पेपर तैयार करने में किस तरह का होता है। इसलिए हमनें विगत 11 वर्षों (2013-2023) के प्रश्न-पत्रों को साइन्टिफिक एप्रोच से युनिट वाइज, टॉपिक वाइज व ईयर वाइज क्लासिफिकेशन करके अद्वितीय संकलन किया है, ताकि आप प्रश्न-पत्र के पैटर्न को भलि-भांति समझ सके। साथ ही आपको ज्ञात होगा कि किस युनिट का टॉपिक वाइज व ईयर वाइज वैटेज व पैटर्न क्या रहा है और तद्नुरूप आपकी रणनीति (एप्रोच) क्या बेहतर हो सकती है। हमने विगत वर्षों के प्रश्नों को व्यस्थित रूप से सॉल्व भी किया है जिससे प्रश्नों व सम्बन्धित टॉपिक को समझने में सहायता भी मिलेगी। यदि आप इस पुस्तक का भलि-भांति अध्ययन करेंगे तो निश्चित रूप से आप अपने अध्ययन की सटीक रणनीति बनाने में सक्षम हो सकेंगे।

ध्यातव्य है कि, **MPPSC** राज्य सेवा परीक्षा में पोस्ट (पदों) की संख्या निरन्तर कम होती जा रही है और अभ्यर्थियों की संख्या में बढ़ोतरी होती जा रही है। फलस्वरूप प्रारंभिक परीक्षा में 'कट ऑफ' निरन्तर बढ़ता जा रहा है, इसलिए बिना सही रणनीति (एप्रोच) के इसे उत्तीर्ण करना सम्भव नहीं है।

महासागरों में जैसे 'लाइट हाउस' जहाजों को सही मार्ग दिखलाकर भटकाव व दुर्घटना से बचाते है, वैसे ही यह पुस्तक परीक्षारूपी महासागर में अभ्यर्थियों को सही मार्ग दिखलाकर भटकाव व असफलता से बचाकर सफलतारूपी मंजिल तक पहुँचाने में सहायक सिद्ध होगी। भाषा की सहजता, सरलता और सटीकता इस पुस्तक की महत्वपूर्ण विशेषता है।

मैं स्वयं भी विगत दो दशकों से निरन्तर **MPPSC** एक्जामिनेशन्स से छात्र व शिक्षक के रूप में जुड़ा रहा हूँ और इसलिए अभ्यर्थियों की चुनौतियों, मनोविज्ञान और आवश्यकता को बेहतर जानता हूँ। इसी परिप्रेक्ष्य में यह पुस्तक हमारा नवीन प्रयास है जो आपके लिए एक बेहतर संसाधन सिद्ध होगी। नवीन व अनुभवी अभ्यर्थियों के लिए यह पुस्तक ब्राह्मस्त्र सिद्ध होगी, जिसके माध्यम से वे परीक्षारूपी रण में विजय प्राप्त कर सकेंगे। हमें विश्वास है कि यह पुस्तक अभ्यर्थियों व शिक्षकों दोनों के लिए अध्ययन एवं अध्यापन में सहायक सिद्ध हो सकेगी।

पुस्तक के प्रकाशन में पुणेकर पब्लिकेशन के **श्री विशाल जी पुणेकर** ने मुझे बेहतर सृजनात्मक स्वतंत्रता व भरपूर सहयोग दिया, जिससे इतने कम समय में इस 'प्रामणिक पुस्तक' के लेखन कार्य को में पूर्ण कर पाया हूँ। आपके उपयोगी व रचनात्मक सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी।

''उत्तम व प्रामणिक पुस्तकें जीवित ईश्वर की मूर्तियां है जिनकी उपासना से जीवन सुखमय व प्रकाशमय हो जाता है।''

इकाई - 1 : भारत का इतिहास

पाठ्यक्रम

- संकल्पना एवं विचार : प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतवर्ष, वेद, उपनिषद, आरण्यक, ब्राह्मण ग्रंथ, षड्दर्शन, स्मृतियाँ, ऋत सभा-समिति, गणतंत्र, वर्णाश्रम, पुरूषार्थ, ऋण संस्कार, पंच महायज्ञ/यज्ञ, कर्म का सिद्धांत, बोधिसत्व, तीर्थंकर।
- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ, घटनाएँ एवं उनकी प्रशासनिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्थाएँ
- भारत की सांस्कृतिक विरासत - कला प्रारूप, साहित्य, पर्व एवं उत्सव।
- 19 वीं एवं 20 वीं शताब्दी में सामाजिक तथा धार्मिक सुधार आंदोलन।
- स्वतंत्रता संघर्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन।
- स्वतंत्रता के पश्चात् भारत का एकीकरण एवं पुनर्गठन।

TOPIC WISE ANALYSIS

• संकल्पना एवं विचार : प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतवर्ष, वेद, उपनिषद, आरण्यक, ब्राह्मण ग्रंथ, षड्दर्शन, स्मृतियाँ, ऋत सभा-समिति, गणतंत्र, वर्णाश्रम, पुरूषार्थ, ऋण संस्कार, पंच महायज्ञ/यज्ञ, कर्म का सिद्धांत, बोधिसत्व, तीर्थंकर।	**5**
• प्राचीन भारत का इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ, घटनाएँ एवं उनकी प्रशासनिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्थाएँ	**15**
• मध्यकालीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ, घटनाएँ एवं उनकी प्रशासनिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्थाएँ	**22**
• भारत की सांस्कृतिक विरासत - कला प्रारूप, साहित्य, पर्व एवं उत्सव।	**14**
• 19 वीं एवं 20 वीं शताब्दी में सामाजिक तथा धार्मिक सुधार आंदोलन	**7**
• स्वतंत्रता संघर्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन	**46**
• स्वतंत्रता के पश्चात् भारत का एकीकरण एवं पुनर्गठन	**3**
Total Number of Questions	**112**

YEAR WISE ANALYSIS

• 2023 : Total Questions	**10**
• 2022 : Total Questions	**11**
• 2021 : Total Questions	**10**
• 2020 : Total Questions	**09**
• 2019 : Total Questions	**06**
• 2018 : Total Questions	**06**
• 2017 : Total Questions	**14**
• 2016 : Total Questions	**07**
• 2015 : Total Questions	**10**
• 2014 : Total Questions	**15**
• 2013 : Total Questions	**15**
• **Total Number of Questions**	**112**

संकल्पना एवं विचार : प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा, भारतवर्ष, वेद, उपनिषद, आरण्यक, ब्राह्मण ग्रंथ, षड्दर्शन, स्मृतियाँ, ऋत सभा-समिति, गणतंत्र, वर्णाश्रम, पुरूषार्थ, ऋण संस्कार, पंच महायज्ञ/यज्ञ, कर्म का सिद्धांत, बोधिसत्व, तीर्थंकर।

1. निम्नलिखित में से कौन-सा ब्राह्मण ग्रन्थ ऋग्वेद से संबंधित है? (2017)

(अ) ऐतरेय ब्राह्मण (ब) गोपथ ब्राह्मण
(स) शतपथ ब्राह्मण (द) तैत्तिरीय ब्राह्मण

उत्तर- (अ) ऐतरेय ब्राह्मण

वेद	ब्राह्मण ग्रंथ
ऋग्वैद	ऐतरेय ब्राह्मण
शुक्ल यजुर्वेद	शतपथ ब्राह्मण
कृष्ण यजुर्वेद	तैत्तिरीय ब्राह्मण
अथर्ववेद	गौपथ ब्राह्मण

2. संस्कारों की कुल संख्या कितनी है? (2015)

(अ) 10 (ब) 12
(स) 15 (द) 16

उत्तर- (द) 16
सनातन धर्म में सौलह संस्कारों (षोडश संस्कार) का उल्लेख किया गया हैं।
यह मानव के गर्भाधान से लेकर मृत्यु (अन्त्येष्टि क्रिया) तक किए जाते हैं।
गर्भाधान संस्कार, पुंसवन संस्कार, सीमन्तोन्नयन संस्कार, जात कर्म संस्कार, नामकरण संस्कार, निष्क्रमण संस्कार, अन्नप्राशन संस्कार, चूड़ा कर्म संस्कार, विद्यारम्भ संस्कार, कर्णवेध संस्कार, यज्ञोपवीत संस्कार, वेदारम्भ संस्कार, केशांत संस्कार, समावर्तन संस्कार, विवाह संस्कार और अन्त्येष्टि संस्कार।

3. निम्न में से किस बौद्ध सहित्य में महात्मा बुद्ध के 'नैतिक सिद्धात' सम्बंधित प्रवचन संकलित है? (2014)
(अ) विनय पत्रिका (ब) जातक कथाएँ
(स) अभिधम्म पिटक (द) सुत्त पिटक

उत्तर- (द) सुत्त पिटक
सुत्त पिटक बौद्ध साहित्य से संबंधित है, जिसमें महात्मा बुद्ध के 'नैतिक सिद्धांत' संबंधित प्रवचन संकलित हैं।
सुत्त का आशय- धर्म उपदेश हैं। यह 5 भाग (निकाय) में विभाजित है, जो कि निम्नलिखित है- दीर्घ निकाय, मज्झिम निकाय, संयुक्त निकाय, अंगुत्तर निकाय, खुद्दक निकाय।
नोटः बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रंथ ' त्रिपिटक' है जो तीन भागों में विभाजित है- विनय पिटक, सुत्त पिटक और अभिधम्म पिटक । इन त्रिपिटकों में 17 ग्रंथों का समावेश है । यह पहली से तीसरी सदी ई.पू. में सिंहल (श्रीलंका) में पालि भाषा में लिखे गये है, जिनमें महात्मा बुद्ध द्वारा बुद्धत्व प्राप्त करने के समय से महापरिनिर्वाण तक दिये गये प्रवचनों व नैतिक सिद्धान्तों को संग्रहित किया गया हैं।

4. निम्न में से किसका संबंध वेदान्त दर्शन के साथ नहीं है? (2014)
(अ) शंकराचार्य (ब) अभिनव गुप्त
(स) रामानुज (द) माधव

उत्तर- (ब) अभिनव गुप्त
प्राचीन वेदांत दर्शन (उत्तर मीमांसा) से शंकराचार्य, रामानुज व माधव सहसंबंधित रहे हैं।
वेदान्त का शाब्दिक अर्थ- वेदों का अन्त अथवा सार हैं ।
वेदान्त, ज्ञान योग का एक स्त्रोत है जो व्यक्ति को ज्ञान प्राप्ति की दिशा में उत्प्रेरित करता है । इसका मुख्य स्त्रोत उपनिषद हैं, जो वेद ग्रंथों और वैदिक साहित्य का सार हैं, इसलिए इसे वेदान्त कहते हैं ।
वेदान्त उपनिषदों के रहस्यवाद या आध्यात्म के स्थान पर ब्राह्मण ग्रंथों अर्थात् अनुष्ठान व तीर्थ के निर्देशों की सैद्धान्तिक शिक्षाओं पर ध्यान केन्द्रित करता हैं। वेदान्त की तीन शाखाएँ हैं- A. अद्वैत वेदान्त (आदि शंकराचार्य), B. विशिष्टाद्वैत (रामानुज), C. द्वैत वेदान्त (माधव)

5. संस्कृत साहित्य का प्रादुर्भाव किस वेद द्वारा हुआ? (2013)
(अ) यजुर्वेद (ब) अथर्ववेद
(स) सामवेद (द) ऋग्वेद

उत्तर- (द) ऋग्वैद
संस्कृत साहित्य का प्रादुर्भाव सनातन धर्म के सबसे पवित्र ग्रंथ ऋग्वैद द्वारा हुआ था। ऋचाओं के क्रमबद्ध ज्ञान के संग्रह तो ऋग्वैद कहा जाता हैं।
ऋग्वैद संहिता संस्कृत भाषा का प्राचीनतम ग्रंथ है। दस मंडलों के इस ग्रंथ के द्वितीय से सप्तम मण्डल प्राचीनतम और प्रथम व दशम मण्डल अपेक्षाकृत अर्वाचीन (नवीन) हैं।
ऋग्वैद में 1028 सूक्त, 10462 मंत्र समाहित है। मंत्रों में देवताओं की स्तुति की गयी है।
ऋग्वैद ऋचाओं को पढ़ने वाले ऋषि ' होत्र' कहलाते हैं । वेद मंत्रों के समूह को 'सूक्त' कहा जाता हैं।
ऋग्वैद की 5 शाखाएँ है- शाकल्प, वास्कल, अश्वलायन, शांखायन, मंडूकायन।

प्राचीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ, घटनाएँ एवं उनकी प्रशासनिक, सामाजिक तथा आर्थिक व्यवस्थाएँ

1. परंपरा के अनुसार अलवारों और नयनारों की संख्या कितनी है? (2022)
(अ) 12 और 63 (ब) 12 और 53
(स) 23 और 63 (द) 23 और 58

उत्तर- (अ) 12 और 63
अलवार व नयनार तमिल संत परम्परा से संबंधित थे, जिनमें अलवार वैष्णव सम्प्रदाय और नयनार शैव सम्प्रदाय से संबंधित थे। दोनों संतों ने जाति प्रथा व ब्राह्मणों की प्रभुता का पुरजोर विरोध किया। प्रारंभिक भक्ति आंदोलन (लगभग छठी सदी) में अलवारों और नयनारों के नेतृत्व में हुआ।
अलवार संतों की संख्या 12 थी और दसवीं सदी में इनकी रचनाओं का संकलन नलयिरादिव्यप्रबंधम् (चार हजार पावन रचनाएँ) नाम से किया गया था।
नयनार संतों की संख्या 63 मानी जाती है, इनके भजन 'तिरूमुराई' का निर्माण करते हैं, जो शैव परम्परा में अति पवित्र हैं ।

2. निम्नलिखित किस स्थान पर बौद्ध गुफाएँ स्थित नहीं हैं? (2022)
(अ) अजन्ता (ब) बाघ
(स) सांची (द) बलसार

उत्तर- (द) बलसार
अजन्ता (औरंगाबाद, महाराष्ट्र), बाघ की गुफाएँ (धार म.प्र.) और सांची (रायसेन, म.प्र.) में अनेक बौद्ध स्मारक व गुफाएँ स्थित हैं ।
बलसार (राजकोट, गुजरात) का एक नगर है, जहाँ बौद्ध गुफाएँ स्थित नहीं हैं ।

3. सिन्धु सभ्यता से प्राप्त मुहरों में कौन-से वृक्ष की आकृति मिलती है? (2021)
(अ) आम (ब) पीपल
(स) पारिजात (द) साल

उत्तर- (ब) पीपल
सिंधु घाटी सभ्यता में प्रकृति पूजा व्यापक रूप से प्रचलित थी और पीपल के वृक्षों को सबसे पवित्र माना जाता था ।